महिला आरोग्य समिति
सामुदायिक सहभागिता के साथ स्वास्थ्य गतिविधियों को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम

प्रस्तावना –

शहरी गरीब बस्तियों में रहने वाले लोगों की स्वास्थ्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 2012 से मुख्यमंत्री शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत की गयी थी। वर्ष 2013–14 में यह राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NHUM) का अंग बन गया और इसका विस्तार छत्तीसगढ़ राज्य के 19 शहरों में किया गया। इस कार्यक्रम के तहत प्रत्येक शहरी गरीब पारा में मितानिनों के चयन के साथ ही समुदाय के स्वास्थ्य सुरक्षा के प्रतिनिधि के रूप में पारा के कुछ महिलाओं के समूह के रूप में महिला आरोग्य समिति का गठन किया गया। राज्य के 19 शहरों में 3771 मितानिन एवं 3698 महिला आरोग्य समिति समुदाय के साथ और समुदाय के बीच में उनके अधिकार को उपलब्ध कराने में सहयोग कर रहे हैं।

19 शहरो में शहरी मितानिन स्वास्थ्य कार्यक्रम की उपस्थिति संबंधी जानकारी

चिन्हाकिंत शहरी गरीब बस्तियों में चयनित मितानिन एवं महिला आरोग्य समिति कि संख्या नीचे कॉलम में है –

क्र.	शहर	चयनित मितानिनो की संख्या	गठित कुल महिला आरोग्य समिति की संख्या	बैंक में कुल खाता खुला एम् ए एस की संख्या
1.	अंबिकापुर	95	95	94
2.	भाटापारा	52	51	50
3.	भिलाई	456	456	452
4.	बिलासपुर	422	405	394
5.	बिरगांव	100	100	97
6.	चरोदा	97	97	97
7.	चिरमिरी	169	152	152
8.	धमतरी	104	104	104
9.	दुर्ग	235	235	226
10.	जगदलपुर	106	106	106
11.	जांजगीर	28	27	27
12.	कांकेर	36	36	36
13.	कवर्धा	35	32	32
14.	कोरबा	380	360	366
15.	महासमुंद	53	53	51
16.	मुंगेली	36	36	36
17.	रायगढ़'	169	169	169
18.	रायपुर	1055	1040	993
19.	राजनांदगांव	144	144	140
कुल	19	3771	3698	3622

महिला आरोग्य समिति के गठन का उद्देश्य –

मितानिनों के सहयोग से स्वास्थ्य गतिविधियों के क्षेत्र में सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने एवं जन स्वास्थ्य के सभी पहलुओं पर चर्चा व सामूहिक कार्यवाही करने का एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से महिला आरोग्य समिति का गठन किया गया है। महिला

आरोग्य समिति मितानिन के साथ मिलकर समुदाय में लोगों के स्वास्थ्य व उससे जुड़े विषयों जिसमे भोजन, पानी, शिक्षा, सामजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने में गरीबों व जरूरतमंदो की मदद करने का एक सशक्त माध्यम है।

- मोहल्ले के स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता की स्थिति की निगरानी करना।
- समुदाय की भागीदारी से स्थानीय स्तर पर सामूहिक कार्ययोजना बनाना।
- शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी समुदाय को उपलब्ध कराना।
- स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान किये जाने हेतु आवश्यक सहयोग करना।
- समुदाय के सबसे गरीब व पिछड़े वर्ग के लोगों की मदद करना।
- स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता संबंधी विषयों पर मोहल्ले की भागीदारी बढ़ाना।

महिला आरोग्य समिति का गठन –

प्रत्येक मितानिन के क्षेत्र में अर्थात प्रत्येक मलिन बस्ती में एक महिला आरोग्य समिति गठन किया जाता है। समिति के सदस्यों का चयन मितानिन प्रशिक्षक के द्वारा पारा बैठक एवं मितानिन के कार्यक्षेत्र को बराबर में विभाजित कर 10 महिला सदस्यों का चयन किया जाता है। महिला आरोग्य समिति के सदस्य स्वप्रेरित, अपने पारा के लोगों की स्वास्थ्य और उससे जुड़े विषयों पर जागरूक करने और समुदाय के साथ मिलकर स्वास्थ्य समस्या का समाधान का प्रयास करती है।

समिति की बैठक में की जाने वाली गतिविधियाँ –

महिला आरोग्य समिति की माह में एक बैठक की जाती है। इस बैठक में स्वास्थ्य (सभी प्रकार की संचारी व गैर संचारी बीमारियों), भोजन, पानी, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किये जाने की रणनीति, माह भर किये गए कार्यों की निगरानी की जाती है तथा आगामी माह के लिए कार्ययोजना बनाई जाती है।

महिला आरोग्य समिति का प्रशिक्षण – मार्च माह 2021 तक 19 शहरों की कुल 3698 महिला आरोग्य समिति का 5 चरणों का प्रशिक्षण हो चूका है।

महिला आरोग्य समिति के द्वारा किये जाने वाले कार्य – समुदाय के स्वास्थ्य और उससे जुड़े विषयों पर महिला आरोग्य समिति के द्वारा निम्न कार्य किये जा रहे हैं –

1. स्वास्थ्य से जुड़ी सभी योजनाओं की निगरानी करना एवं सुधार हेतु आवश्यक सामूहिक प्रयास करना।
2. भोजन से जुड़ी योजनाओं–मध्यान्ह भोजन, आंगनबाड़ी, राशन दुकान की निगरानी करना एवं सुधार हेतु सामूहिक प्रयास करना।
3. स्वच्छता की स्थिति की निगरानी करना एवं कार्ययोजना बनाना।
4. सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करना।
5. मोहल्ले में होने वाली समस्त जन्म एवं मृत्यु का पंजीयन करना।
6. अनटाइड फंड का उपयोग समुदाय के हित में करना।
7. बच्चों में कुपोषण की निगरानी करना एवं पोषण अभियान चलाना।
8. व्यवहार परिवर्तन पर कार्य करना।
9. नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समुदाय में जागरूकता लाने का प्रयास करना।
10. महिला हिंसा व नशा पर कार्य करना।

स्वास्थ्य से जुड़ी विषयों पर की गई सफलता की कहानी

देवार पारा के बेघर परिवारों को स्वास्थ्य सुविधा दिलाने में की गयी मदद

(वार्ड क्र. 53, देवारपारा, रायपुर)

देवार पारा में पानी टंकी के नीचे लगभग 25 परिवार देवार जाति के रहते थे। इन परिवारों को 5 साल पहले वहां से हटा दिया गया तो वे रात को दुकान के बाहर सोते हैं और सुबह रोड के किनारे खाना बना कर खाते हैं। 25 परिवार में केवल एक परिवार का राशन कार्ड बना था। इन परिवारों में 20 से 25 बच्चे और 2 गर्भवती महिलाएं हैं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ था। शहरी मितानिन कार्यक्रम के साथी जब इन परिवारों से मिलने के लिए गए तो वहां एक महिला का निजी अस्पताल में प्रसव हुआ था जिसमें उन्हें 30 हजार का खर्चा आया था और वह महिला बुखार से तड़प रही थी। उस महिला के परिवार वालों को महिला की इस हालत के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। शहरी मितानिन कार्यक्रम के साथी उस महिला को मठपुरैना के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर गए और उसका इलाज करवाया। शहरी मितानिन कार्यक्रम से जुड़े मितानिन प्रशिक्षक, क्षेत्रीय समन्वयक और मितानिनों के द्वारा इन परिवारों से नियमित मिलकर टीकाकरण के बारे में समझाया गया और सभी गर्भवती और बच्चों का टीकाकरण करवाया गया।

– मनीषा चंद्राकर, क्षेत्र समन्वयक

चाईल्ड लाईन की मदद से समिति ने बीमार गरीब बच्ची का इलाज करवाया

(नयागंज वार्ड क्र.–23)

पारा में एक दो साल की गरीब बच्ची है जिसे शौच करने में बहुत परेशानी होती थी। वार्ड में महिला आरोग्य समिति ने बैठक की और उसमें पार्षद को भी बुलाया गया। बैठक में बच्ची के माता पिता ने अपनी समस्या बतायी। बच्ची के माता–पिता की बात सुनने के बाद

मितानिन ने चाईल्ड लाईन में फोन करके बच्ची के बारे में बताया। चाईल्ड लाईन के द्वारा बच्ची की जांच करवायी गयी और उसका आपरेशन करवाया गया। आपरेशन के बाद बच्ची बिल्कुल ठीक है। – **केवरा सिंह ध्रुव–मितानिन**

मितानिन के इलाज के लिए संकुल की अन्य मितानिने और समिति के सदस्यों ने हाथ बढ़ाया

(जवाहर नगर वार्ड क्र.–24, स्कूल पारा, जगदलपुर)

पारा की मितानिन ममता कच्छ के पैरों में सूजन आने के कारण उसे काम करने में बहुत परेशानी हो रही थी लेकिन वह अपना काम पूरा कर रही थी। एक दिन काम के दौरान मितानिन को शरीर में अचानक से बहुत दर्द हुआ और शरीर सुन्न पड़ गया। जिला अपताल में ममता को दिखाया गया तो उसे रायपुर मेकाहारा रेफर कर दिया गया। घर में पैसों की कमी की वजह से ममता और उसके पति इलाज के लिए रायपुर जाने से डर रहे थे। ममता की साथी मितानिनों ने ममता के पति से सी.पी.एम. से मिलने की सलाह दी। ममता के पति सी.पी.एम. से मिले तो उन्होंने ममता का आयुष्मान भारत योजना का कार्ड बनवा दिया और रायपुर जाने के लिए गाड़ी की व्यवस्था भी कर दी। मितानिन प्रेरक और गांव की सभी मितानिनों ने थोड़ी–थोड़ी राशि जमा कर ममता और ममता के परिवार की मदद की। मेकाहारा में ममता की जांच में पता चला की ममता की पीठ की नस दब जाने की वजह से शरीर सुन्न पड़ गया है और सूजन आ रही है। ममता का पीठ का सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद मितानिन को डॉक्टर ने तीन माह का बेड रेस्ट बोला जिस वजह से ममता के पति को भी ममता की देखभाल के लिए घर में रहना पड़ रहा था। घर में पैसों की परेशानी हो रही थी परन्तु संकुल की सभी मितानिने और समिति के सदस्य मितानिन के घर की जरूरतों को मिलजुल कर पूरा कर रहे थे। **दीपा–मितानिन प्रशिक्षक**

समिति ने समय पर महिला का इलाज करवाया

(वार्ड क्र. 24, दीवान पारा, राजनांदगांव)

पारा में एक महिला की तबियत खराब हो गयी और वह अजीब सा व्यवहार करने लगी। पारा की मितानिन को जब यह पता चला तो वह उनके घर गयी और उस महिला को अपस्ताल ले जाने के लिए कहा। महिला के घर वाले महिला को अस्पताल नहीं ले जाना चाहते थे।

मितानिन ने महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को महिला की हालत के बारे में बताया। समिति के सदस्य ने समिति के फंड से महिला का इलाज करवाने का निर्णय लिया। समिति के सदस्य महिला को अस्पताल लेकर गए और मानसिक रोग के डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर ने समिति से कहकर महिला का सिटी स्केन और खून जांच स्मार्ट कार्ड से करवाया। जांच में महिला को लकवा निकला। जांच के बाद तुरंत दवा शुरू की गयी। अब वह महिला स्वस्थ है। –**आशा सोनी–मितानिन**

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को समिति ने आश्रम पंहुचाया

(वार्ड क्र. 17, नाहर पारा, वसुंधरा नगर, चरोदा)

पारे में एक महिला रहती थी जो प्रसव के एक माह बाद मानसिक रूप से बीमार हो गयी थी। उसके ससुराल वाले और पति भी उसे यहीं छोड़कर और उसके बच्चे को लेकर गाँव चले गए। पारे में अकेली महिला को देख कर मोहल्ले के कुछ लड़के उसके साथ दुष्कर्म करने लगे। एक दिन महिला आरोग्य समिति की एक सदस्य ने उस महिला के साथ दुष्कर्म होते हुए देख लिया तो उसने समिति के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उन लड़कों के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई और उस महिला को सखी केंद्र ले गए। सखी केंद्र की मदद से महिला को आश्रम में रखा गया है। **अनीता वर्मा–मितानिन**

पारा में डेंग् से बचाव व रोकथाम में पारे के डॉक्टर ने भी किया सहयोग

(शिवाजी वार्ड क्र.–8, राव।भाटा, जिला–मुंगली)

शिवाजी वार्ड में महिला आरोग्य समिति के सदस्यों और मितानिनों द्वारा डेंगू अभियान चलाया जा रहा था। इस अभियान के तहत सभी मितानिन व समिति के सदस्य द्वारा परिवार भ्रमण कर लोगों को डेंगू से बचाव व रोकथाम की जानकारी दी जा रही थी। परिवार भ्रमण के दौरान पारा के एक आयुर्वेदिक डॉक्टर के घर भी सलाह के लिए सभी साथी गए थे। मितानिनों ने डॉक्टर को भी डेंगू से बचाव के लिए सभी जानकरी दी। सभी जानकारी के बाद डॉक्टर के द्वारा मितानिनों को उनके कार्य की प्रशंसा की गई। डॉक्टर ने डेंगू अभियान में मितानिन साथियों की मदद करने की बात कही और दूसरे दिन से मितानिन टीम के साथ घरों में कूलर खाली करने, पुराना जमा पानी को भी खाली करने में सहयोग किया।

वर्षा यादव–मितानिन, शारदा यादव–मितानिन प्रशिक्षक

मितानिन और समिति ने मिलकर पारा के लोगो को डेंगू से बचाने के लिए जागरूक किये

(सिविल लाईन्स, वार्ड क्रमांक 7, जगदलपुर)

वार्ड की एक महिला को डेंगू हुआ। मितानिन को जैसे ही पता चला उसने ए.एन.एम. को खबर की। ए.एन.एम. ने अपनी टीम के साथ आकर पूरे वार्ड में लोगों की डेंगू की जाँच की जिसके लिए लोगों का खून का सैम्पल लेकर जाँच के लिए भेजा। जाँच में जिसको भी डेंगू निकला सभी को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया। वार्ड की मितानिनों और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों द्वारा वार्ड में लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक किया जिसमे उन्होंने समझाया कि डेंगू मच्छर काटने से होता है। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है, दिन के समय में काटता है और इससे बचने के लिए घर व आस पास में पानी जमा होने नहीं दें। पूरा कपड़ा पहने, मच्छरदानी लगाकर सोए, नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगाए। इसके साथ ही साथ सभी ने मिलकर पूरे वार्ड के घर में जा–जा कर जमा पानी को साफ किया। **तबस्सुम कुरैशी–मितानिन**

भोजन के अधिकारों से जुड़ी सफलता की कहानी

समिति ने जरूरतमंद परिवार की राशन से मदद की

(नेवई बस्ती, वार्ड क्रमांक 42, शिव चौक, भिलाई)

पारा में एक परिवार है जिसमें माँ है बेटी विकलांग है और पिता मानसिक रूप से बीमार है। परिवार में माँ के अलावा कोई कमाने वाला नहीं है। लॉकडाउन लगने के बाद माँ का काम भी बंद हो गया जिस वजह से भोजन की समस्या होने लगी। पारा की मितानिन को सर्वे के दौरान इस परिवार की समस्या के बारे में पता चला। मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने मिलकर इस परिवार को राशन का सामान दिया।

पालीथिन बीनकर गुजारा करने वाले परिवार की लाॅकडाउन में समिति ने राशन देकर की मदद

(वार्ड क्रमांक–42, खदान पारा, भिलाई)

पारा में एक परिवार है जो की पन्नी बीनकर अपना गुजारा करते हैं। इस परिवार में 2 बेटे हैं जो विकलांग है और पिता की उम्र 85 वर्ष है। लॉकडाउन में इस परिवार को कई दिन भूखे गुजरने पड़े। इस परिवार के पास राशन कार्ड भी नहीं है। मितानिन और समिति के सदस्यों ने इस परिवार के लिए राशन और सब्जी की व्यवस्था की गयी जिसे पाकर वे बहुत खुश हुए।

अनाथ भाई बहन के लिए समिति ने भोजन की व्यवस्था की

(वार्ड क्रमांक 32, बाजार चौक, देव बलौदा)

पारा में दो अनाथ भाई बहन रहते हैं। माता–पिता की मृत्यु के बाद उनका राशन कार्ड भी निरस्त हो चुका था। भाई 18 वर्ष का है जो रोजी मजदूरी कर अपना और बहन का खर्चा चलाता है। दोनों भाई बहुत ही गरीब है। लॉकडाउन में उनकी स्थिति और ज्यादा खराब हो गयी क्योंकि भाई का काम पूरी तरह बंद हो गया। समिति के सदस्यों ने वार्ड पार्षद को इन बच्चों की स्थिति और राशन कार्ड के बारे में बताया। पार्षद के द्वारा चार दिन में ही बच्चों का बी.पी.एल. कार्ड बनवा दिया। दोनों बच्चों की राशन की कुछ समस्या कम हुयी।

भीख मांग कर गुजारा करने वाले परिवार के लिए समिति ने राशन की व्यवस्था की

(वार्ड क्रामंक 42, शिव चौक, नेवई, भिलाई)

पारा में दो महिलाएं जो की भीख मांगकर गुजारा करती है एक साथ रहती है। लॉकडाउन में दोनों महिलाए भीख मांगने के लिए घर से बाहर नहीं निकल पायी तो उन्हें भूखे रहने की स्थिति आ गयी। मितानिन और समिति के सदस्यों ने दोनों महिलाओं के लिए राशन और जरूरत का सामान उन्हें दिया, जिसे पाकर वे बहुत आभारी और खुश हो गयी।

घर में आग लगने से परेशान परिवार की समिति ने की मदद

(रावांभाठा वार्ड क्रामंक 11, बिरगांव)

पार की एक गर्भवती टिकेश्वरी के घर में आग लग जाने से घर का सामान और अस्पताल के पूरे कागज जल गए थे। टिकेश्वरी के घर में खाने के लिए भी कुछ नहीं बचा था। मितानिन ने पार्षद को सूचना दी परन्तु पार्षद ने कोई मदद नहीं की। मितानिन ने महिला आरोग्य समिति की बैठक में टिकेश्वरी के घर की स्थिति के बारे में बताया तो समिति ने टिकेश्वरी के परिवार को 1 हजार रुपये का राशन खरीद कर दिया।

समिति ने पारा के लोगो को समझाया–रेडी टू ईट को खाना चाहिए बेचना नहीं

(वार्ड क्रमांक 36, ईरानी पारा, रायगढ़)

इरानी पारा में लोग रेडी टू ईट को खाते नहीं थे गाँव के लोगों को बेच देते थे। पारा की मितानिन निशा सोनी ने लोगों को रेडी टू ईट के फायदे के बारे में समझाया की कोरोना में राशन और भोजन के लिए लोगों को इतनी परेशानी उठानी पड़ रही है और आप लोग रेडी टू ईट जैसा पोषित भोजन बेच रहे हैं। मितानिन ने लोगों को रेडी टू ईट के महत्व को समझाने और लोगों को रेडी टू ईट बेचने से रोकने के लिए के लिए एक दिन महिला आरोग्य समिति के सदस्यों से इस विषय पर चर्चा की। उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के तहत समिति और मितानिन ने पारा में एक चूल्हा बनाया और उसमे रेडी टू ईट की रोटी बनाई और पारा में सभी लोगों को खिलाई। मितानिन ने लोगों को समझाया की अभी लॉकडाउन की स्थिति में हमें अपने स्वास्थ्य का बहुत ध्यान रखना है और राशन दुकान से केवल चावल मिल रहा है। रेडी टू ईट में बहुत से पोषक तत्व होते हैं जो हमें स्वस्थ रहने में सहयोग करते हैं। मितानिन की बात सुनने के बाद पारा के लोगो ने वह रोटी खायी और उन्हें बहुत पसंद आई और अपने किये पर पछतावा हुआ कि उन्होंने इतना पौष्टिक आहार बेच दिया। उस दिन के बाद से पारा के किसी भी व्यक्ति ने रेडी टू ईट गाँव वालों को नहीं बेचा।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर किये गये कार्य की कहानियां

मितानिन और समिति के प्रयास से बुजुर्ग व्यक्ति को रूकी हुयी पेंशन मिली

(भगत सिंग वार्ड क्रमांक 16, भाटापारा)

पारा में मासिक महिला आरोग्य समिति की बैठक की जा रही थी जिसमे पेंशन योजना पर चर्चा की जा रही थी। पारा की मितानिन ने बताया की उसके पारा में 87 वर्षीय धनेश्वर गेंडे नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति है उन्हें पेंशन मिलना बहुत समय से बंद हो गयी है। परिवार के लोगों ने प्रयास किया परन्तु कोई हल नहीं निकला। समिति ने धनेश्वर गेंडे को पेंशन दिलवाने के लिए कार्ययोजना बनाई। मितानिन और समिति के द्वारा एक आवेदन तैयार किया गया और नगर निगम और बैंक में दिया गया और हर दूसरे दिन जाकर आवेदन पर कार्यवाही की जानकरी लेते थे। मितानिन और समिति की मेहनत काम आयी और बुजुर्ग व्यक्ति को पेंशन मिलना फिर से शुरू हो गया।

समिति ने निशक्त माँ और बेटे को शासन की योजना का लाभ दिलाया

(वार्ड क्र. 17 अर्जुन नगर, केम्प–1 भिलाई)

अर्जुन नगर में एक 45 वर्षीय महिला अपने एक बेटे के साथ रहती है। महिला को आँख से दिखाई भी नहीं पड़ता था। महिला और बेटा भीख मांग कर अपना गुजारा करते थे। महिला के पास राशन कार्ड, स्मार्ट कार्ड नहीं था और सोने के लिए बिस्तर भी नहीं था। पारा की मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने उस महिला की मदद करने के लिए वार्ड के पार्षद की सहायता से पारे में शिविर लगवाया गया। शिविर में उस महिला की आँख की जाँच करवाई गयी और ऑपरेशन के बाद महिला की आँख से दिखाई देने लगा और समिति और मितानिन के सहयोग से महिला का राशन कार्ड और स्मार्ट कार्ड भी बन गया। इलाज के दौरान महिला को समिति के द्वारा एक माह का राशन और गैस कनेक्शन भी दिलाया गया। **हंसमति साहू–मितानिन प्रशिक्षक**

समिति के प्रयास से वृद्ध दंपत्ति को एक साल बाद वृद्धा पेंशन मिली

(वार्ड क्रमांक 3, राधा कृष्ण मंदिर के पास, महासमुंद)

पारा में महिला आरोग्य समिति की बैठक में 27 बिन्दुओं पर चर्चा की गयी। इस चर्चा में पारा में वृद्ध लोगों को वृद्धा पेंशन मिल रही है या नही इस पर भी चर्चा की गयी जिसमें पारा की जानकी साहू और पति हंस राम साहू ने बताया की एक साल से फार्म भर दिए हैं परन्तु अभी तक पेंशन नहीं मिलने की जानकरी दी। बैठक में पार्षद को बुलाया गया और उनकी समस्या बताई। पार्षद ने दोनों को नगर पालिका आने के लिए कहा। दूसरे दिन वे लोग नगर पालिका गए और उसके बाद से उन्हें पेंशन मिलना शुरू हो गया।

स्वच्छता से संबंधी सफलता की कहानी

समिति के सदस्यों द्वारा पारा में स्वच्छता के लिए पार्षद से लेकर निगम तक कार्य करवाने के साथ ही स्वयं भी पारे की सफाई, तालाब की सफाई करते हैं।

नाली से होने वाला खतरा मितानिन की पहल से टला

(वार्ड क्रमांक 5, चौखडिया तालाब, उरला, बिरगांव)

पारा में एक नाली थी जिसमें पानी बाहर जाने का कोई रास्ता नहीं बना थां इस नाली का पानी घरों में और रोड में पूरा भरा रहता था। पारा की मितानिन ने जब इसे देखा तो इससे बीमारी फैलने के खतरे को पहचानते हुए निगम और पार्षद को आवेदन लिखा परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गयी। मितानिन ने फिर लोक सुराज में आवेदन दिया परन्तु इसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गयी। पारे वाले सभी लोग परेशान हो गए थे। इसी बीच पारा की एक 2 वर्षीय बच्ची खेलते–खेलते नाली में गिर गयी नाली में पानी भरा हुआ था उसी समय मितानिन पानी भरने निकली थी उसे बच्ची के बाल दिखे तो वह तुरंत उसे ऊपर खींच ली और बचा ली। पारा वाले बहुत गुस्सा हो गए थे क्योंकि इससे किसी की जान भी जा सकती थी। मितानिन ने सभी पारा वाले और समिति के लोगों को इकट्ठा किया और निगम जाकर शिकायत किये। दूसरे दिन निगम से लोग आए और नाली देखकर बोले की यह तो बहुत बड़ी समस्या है और तुरंत जे.सी.बी. बुलाकर नाली का निकासी किया गया।

समिति ने गर्मी में लोगों के पानी की जरूरत को पूरा करने वाले कुएं की मरम्मत करवाई

(वार्ड क्र——17, भिलाई)

मार्च माह में पारा में नल में पानी एक हफ्ते में एक बार आता था। पीने के पानी के लिए पारे में एक ही हैंडपंप था जिसमें लोगों की भीड़ लगी रहती थी और आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता था। पारे में एक कुआं है जो बहुत पुराना होने की वजह से ईंट खिसक गए थे। गर्मी के दिनों में यहीं कुआं सबका सहारा बना था। पारा के 20 से 25 परिवार के लोग उस कुंए पर निर्भर हो गए थे और उनका रोजमर्रा का काम उसी से चल रहा था। पारा वालों ने कुएं में एक मोटर लगा दी थी और उससे सुबह और रात पानी भरते थे। कुएं का पानी दिन–रात उपयोग करने की वजह से कम हो गया था और अब पानी के साथ मिट्टी भी आने लगी थी। पारा के लोगों और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने पारा बैठक कर कुएं की मरम्मत कराने का निर्णय लिया। कुएं की मरम्मत के लिए पारा के प्रत्येक परिवार से 500 रूपए लिए गए। मई माह में कुएं की सफाई और मरम्मत की गयी। कुएं में फिर से पानी भर गया है और लोगों की पानी की समस्या भी समाप्त हो गयी है।

सावित्रो हंडेकर–मितानिन

समिति के प्रयास से पारा में पानी का फूटे पाईप को निगम द्वारा बनाया गया

(वार्ड क्र.–4, पुराना ढाबा, डीपरा पारा, राजनांदगांव)

डीपरा पारा में नल का पाईप लाईन फुट गया था जिसकी वजह से पारे में गन्दा पानी आ रहा था। गन्दा पानी की वजह से पारे में लोगों को दस्त और उल्टी हो रही थी। हर एक घर में दस्त हो रहा था। पारा की मितानिन, ए.एन.एम. और मितानिन प्रशिक्षक पारा में परिवार भ्रमण कर लोगों को जीवन रक्षक घोल पिलाए, ओ.आर.एस. पैकेट बांटे और जिंक की गोली भी दिया। इसके साथ ही साथ गंभीर मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती भी करवाए। समस्या के फैलते ही महिला आरोग्य समिति की बैठक की गयी और पारा में बीमारी फैलने का कारण फूटी हुयी पाईप लाईन को पहचाना गया। समिति ने इस समस्या के समाधान के

लिए वार्ड पार्षद से चर्चा की और उन्हें यह कह दिया की अगर आपके द्वारा पाईप लाईन नहीं बनायी गयी तो हमारे द्वारा नगर निगम के टोल फ्री न. 1100 में शिकायत करेंगे और नगर निगम के दफ्तर में जाकर भी आवेदन देंगे। वार्ड पार्षद ने समिति के सदस्यों की बात सुनकर तुरंत पाईप लाईन को बदलवा कर नयी पाईप लाईन लगवाई। इस बीच समिति के सदस्य पारा में दस्त और उल्टी पीड़ित लोगों का ध्यान रखते रहे। जल्द ही पारा में साफ पानी आने लगा और बीमार लोग भी ठीक हो गए।

– सावित्री साहू–मितानिन, प्रभा यादव–मितानिन प्रशिक्षक

समिति ने श्रमदान कर तालाब की सफाई की

(पुरेना वार्ड क्रमांक 6, कोरबा)

वार्ड में एक तालाब है जिसके आस पास पूरी बस्ती बसी है। बस्ती के लोगों के द्वारा तालाब में नहाना, कपड़ा धोना, कचरा फेंकने की वजह से बहुत गंदगी हो गयी थी और वह तालाब उपयोग योग्य नहीं रह गया था उसमे से बदबू आने लग गयी थी। पारा की मितानिन और महिला आरोग्य समिति के द्वारा तालाब की सफाई के लिए वार्ड पार्षद से बात की गयी। वार्ड पार्षद के द्वारा सफाई करवा दूंगा कहके बात टाल दी गयी। मितानिन और समिति के सदस्यों ने दो तीन दिन तक देखा फिर स्वयं से तालाब की सफाई कर दी। मितानिन और महिला आरोग्य समिति के द्वारा तालाब की सफाई किये जाने के बाद से पारा के लोग तालाब में गंदगी नहीं करते हैं।

समिति के सदस्यों ने पानी के प्राकृतिक स्त्रोत की सफाई कर उसे पुनः जीवित किया

(जंगल साईड पटेल, बांकी मोंगरा, वार्ड क्रमांक 66, जिला–कोरबा)

वार्ड में एक नाला है जो की वार्ड के लोगों की पानी को पूरा करता है। इस नाले के अगल–बगल में बनी पत्थर की चट्टान से पानी पसीजता है और नाले में हमेशा पानी भरा रहता था। बीच में धीरे–धीरे चट्टान से पानी पसीजना बंद हो गया और नाले का पानी भी सूखने लग गया था जिस वजह से लोगों को पानी की समस्या हो रही थी। वार्ड की महिला

आरोग्य समिति की बैठक की गयी और इस विषय पर कार्ययोजना बना कर मोहल्ले के लोगों के साथ मिलकर श्रमदान किये और नाले की चट्टानों की सफाई और नाले से कीचड़ की सफाई की गयी। मोहल्लेवासियों से चंदा लेकर जे.सी.बी. से पत्थर हटवाया गया जिससे चट्टानों से फिर से पानी पसीजना चालू हो गया और लोगों की पानी की समस्या दूर हो गयी।

व्यवहार परिवर्तन व महिला हिंसा से जुडो सफलता को कहानी

महिला आरोग्य समिति के द्वारा अपने पारा में लोगों को बीमारियों से बचाने, खाने से पहले हाथ धोने, मच्छरदानी लगाकर सोने की आदत के बारे में सिखाया जा रहा है। इसके साथ ही बेटा–बेटी में भेदभाव, महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा पर लोगों की सोच को बदलने, लोगों को जागरूक करने की एक मुख्य जिम्मेदारी महिला आरोग्य समिति निभा रही है।

समिति और मितानिन के सहयोग से महिला को अपने दहेज की राशि वापस मिली (वार्ड 13, प्रगति चौक, बिरगांव)

पारा की एक महिला को उसके ससुराल वाले दहेज के लिए बहुत समय से मारपीट रहे थे। महिला के मायके वालों को बहुत समय से उनकी बेटी अपने ससुराल वालों की शिकायत करती थी की वे उसे मारते हैं, दहेज लाने को बोलते हैं और अपने बेटे की दूसरी शादी करने की धमकी भी देते हैं। महिला के घर वालों ने बेटी को ससुराल में निभाने की सलाह दी परन्तु जब बेटी से रोज की मारपीट सहन नहीं हुयी तो उसने अपने मायके वालों

से उसे ससुराल से ले जाने के लिए कहा। महिला के माता–पिता को भी बेटी की बहुत चिंता होने लगी थी। महिला के मायके वालों ने एक दिन अपने पारा की मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को अपने साथ अपनी बेटी को लाने के लिए टिकरापारा पुलिस थाने में रिपोर्ट किये और पुलिस को अपने साथ बेटी के ससुराल लेकर गए।

महिला के ससुराल वाले पुलिस को देखकर डर गए और अपनी बहु और अपनी 7 साल की पोती को महिला के मायके वालों को सौंप दिया। समिति के सदस्यों ने महिला को शादी के समय जो दहेज दिया था उसे भी लौटाने के लिए कहा तो सुसराल वालों ने उन्हें 30 हजार रुपए दे दिए। महिला अब अपने मायके में अपनी बेटी के साथ खुश है और काम कर अपना और अपनी बेटी का पालन–पोषण कर रही है। **लक्ष्मी वर्मा–मितानिन**

पत्नी के साथ मारपीट करने वाले पति में पुलिस के डंडे खाने के बाद सुधार आया (वार्ड क्रमांक 63, मोंगरा बस्ती, भुसड़ी पारा, कोरबा)

पारा में एक परिवार रहता है जिसमें पति–पत्नी और एक 12 साल की बेटी है। इस घर का पुरुष अपनी पत्नी को शराब पीकर बहुत मारता था। पत्नी ने पारा की मितानिन को बताया तो मितानिन ने उस पुरुष को समझाया परन्तु उसने मितानिन की एक बात नहीं सुनी बल्कि अपनी पत्नी को और ज्यादा

मारने लगा। मितानिन ने महिला आरोग्य समिति के सदस्यों को इस बात की जानकरी दी तो समिति के सभी सदस्य उसके घर गए और पुरुष को समझाए की अगर आपने अपनी पत्नी से मार–पीट बंद नहीं की तो हम लोग पुलिस में रिपोर्ट कर देंगे। लेकिन वह पुरूष नहीं माना और अपनी पत्नि के साथ मारपीट करता रहा। महिला अपने पति की मार से परेशान होकर फिर से समिति के पास मदद के लिए आई तो समिति ने 112 में फोन कर दिया। 112

से पुलिस आई और पुरुष को समझाने का प्रयास किये परन्तु वह पुरुष पुलिस से बहस करने लगा की मेरी पत्नी है मारू–पीटू या कुछ भी करू आप को क्या करना है। पुलिस वालों ने उसकी बात सुनने के बाद उसकी डंडे से पिटाई की गाड़ी में बिठाकर थाने ले गए। दूसरे दिन पुरुष थाने से वापस घर आया और आने के बाद अपनी पत्नी और समिति के सदस्यों से माफी माँगा और दोबारा अपनी पत्नी के साथ मार–पीट नहीं करूँगा बोला।

भगवती पठारी–मितानिन

महिला आरोग्य समिति के द्वारा किये जाने वाले अन्य कार्य

1. **पानी से जुड़े रोगों की रोकथाम में मदद–** साफ पीने के पानी के लिए पानी की जाँच प्रति वर्ष महिला आरोग्य समिति के माध्यम से की जाती है। वर्ष 2020 में पानी से होने वाली बीमारियों से लोगो को बचाने के लिए महिला आरोग्य समिति के दवारा 17 शहरों के 3436 पानी के स्त्रोतों से पानी की जाँच की गयी।

2. **नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता लाने वाला कार्य** – वर्ष 2019–20 में 1440 महिला आरोग्य समिति के द्वारा निजी अस्पताल में इलाज के नाम पर गलत जाँच, ज्यादा पैसा लेना, स्मार्ट कार्ड से राशि काटने के साथ ही अतिरिक्त नकद राशि लेना, इलाज नहीं करने जैसे विषयों पर नाटक के माध्यम से जागरूक किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया, नशा नाश का द्वार, रहे दूर

3. डेंगू से बचाव व् रोकथाम के लिए महिला आरोग्य समिति के द्वारा किये गए कार्य – वर्श 2020 में 19 शहरों में महिला आरोग्य समिति एवं मितानिनों के द्वारा 4.41 लाख परिवार को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक किया गया साथ ही 4.37 लाख परिवार के घर डेंगू की चेकलिस्ट लगायी गयी।

डेंगू की रोकथाम के लिए शहर में निकली जागरूकता रैली

जागरूकता रैली महिलाएं।

रायगढ़। नईदुनिया न्यूज

जिले में डेंगू की रोकथाम हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज मितानिनों एवं स्टाफ नर्स के द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली पूर्वान्ह 11.30 बजे शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा से प्रारंभ होकर बैकुण्ठपुर, राजीव नगर एवं धांगरडीपा से होते हुए पुन: प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा में समाप्त हुई।

रैली में स्वच्छ भारत मिशन के तर्ज पर डेंगू से संबंधित माईकिंग श्लोगन एवं नारा के माध्यम से जनसमुदाय को जागरूक करने का प्रयास किया गया। साथ ही डेंगू के लक्षण एवं बचाव से संबंधित पाम्पलेट का भी वितरण किया। इसके अलावा शहर के विभिन्न वार्डो में मितानिनों के सहयोग से घरों एवं मोहल्ले में जाकर रूके हुए पानी में मिट्टी तेल एवं पेट्रोल डालकर डेंगू के लार्वा को पनपने से रोकने का प्रयास किया गया। रैली में शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रामभांठा के सभी स्टाफगण एवं सभी मितानिन प्रशिक्षक एवं शासकीय स्कूल के बच्चे मौजूद थे।

उपसंहार – महिला आरोग्य समिति स्वास्थ्य एवं उससे जुड़े महत्वपूर्ण विषयों तक लोगों की पहुँच को सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। महिला आरोग्य समिति पारा में लोगों की समस्या को सुनने का पहला स्त्रोत है जो लोगों की समस्या का समाधान पारा स्तर पर ही कर देती है। शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी समुदाय में देकर

समुदाय के लोगों को सशक्त बना रही है। इस प्रकार महिला आरोग्य समिति और मितानिन की उपस्थिति से स्वास्थ्य स्थिति में एक सकारात्मक परिवर्तन दिख रहा है।